पीएम नरेंद्र मोदी ने कुंभ कलश का कुंभाभिषेक किया
रत्न जड़ित अष्ट धातु से निर्मित, सीएम योगी भी रहे साथ

हिन्दी साप्ताहिक

हर्षिता टाइम्स

RNI Regn. No. UTTHIN/2008/28646

राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे का धमाका, चौथे नंबर पर आकर
ठोकी सेंचुरी, विजय मर्चेंट ट्रॉफी में मचाया तहलका

• वर्ष : 16 • अंक : 49 • देहरादून • वृहस्पतिवार 12 दिसंबर, 2024 • मूल्य : 1 रुपये • वार्षिक : 50 रुपये • पृष्ट : 8

राज्य सरकार 6 माह की यात्रा को वर्ष भर चलाने पर कर रही कार्य

सीएम धामी ने जनपद रुद्रप्रयाग में ग्रामवासियों एवं स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर विकास योजनाओं का लिया फीडबैक

रूद्रप्रयाग। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद रुद्रप्रयाग के सारी गांव में ग्राम वासियों एवं स्थानीय निवासियों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। ग्रामवासियों एवं स्थानीय निवासियों से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के विकास से संबंधित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने सारी गांव में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का भी अवलोकन किया। उन्होंने महिलाओं संग झुमैला नृत्य भी किया। मुख्यमंत्री ने सारी ग्रामवासियों के साथ रात्रि भोजन भी किया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर महिला मंगल दल हेतु 1 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि निश्चित ही देवरिया ताल में लगने वाले मेले को संस्कृति विभाग, राजकीय मेले के रूप में मान्यता देगा।

मुख्यमंत्री ने सारी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सभी के बीच में आकर बेहद खुशी महसूस हो रही है। उन्होंने कहा सारी गांव में जो कार्यक्रम शुरू हुआ है, अब ये कार्यक्रम पूरे प्रदेश में चलेगा। मुख्यमंत्री ने आशा नौटियाल को विजय बनाने पर सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा अब सरकार की बारी है कि जो वादे उन्होंने चुनाव से पहले किए हैं अब उन्हें पूरा किया जाए। इस क्षेत्र के सभी प्रस्ताव, घोषणाओं, एवं जनहित के कार्यो को धरातल में उतारा जाएगा। उन्होंने कहा जनता के सुझावों पर प्राथमिकता से कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उत्तराखंड एवं विशेषकर बाबा केदारनाथ जी की भूमि से गहरा लगाव है। प्रधानमंत्री के हृदय में उत्तराखंड बसता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अनेकों योजनाओं को इस क्षेत्र में आगे बढ़ाया है। 2013 की आपदा के बाद भगवान केदारनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य प्रधानमंत्री मोदी ने अपने हाथों में लिया। भगवान केदारनाथ धाम भव्य और दिव्य बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा उन्होंने उपचुनाव से पहले स्वयं केदारनाथ क्षेत्र की जिम्मेदारी संभाली और विकास हेतु संकल्पित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारघाटी में इस वर्ष जुलाई में आई आपदा के दौरान वे अधिकारियों के साथ स्वयं जनता के बीच में मौजूद रहे। आपदा के बाद दूसरे चरण की यात्रा को भी जल्द शुरू किया गया था। अब राज्य सरकार 6 माह की यात्रा को वर्ष भर चलाने पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा सारी गांव एक आदर्श गांव है जहां 40 से भी ज्यादा होम स्टे हैं। होम स्टे को भी राज्य सरकार निरंतर बढ़ा रही है। होमस्टे राज्य की आर्थिक का साधन बन रहे हैं। देवरिया ताल, बाबा तुंगनाथ एवं अन्य देवी देवताओं में भी विकास कार्यो को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा हमने अपने गांव का बचाने का भी संकल्प लेना है।

मुख्यमंत्री ने कहा विदेश में भी महिलाएं अपने पारंपरिक परिधानों को पहनती है। ये दिखाता है कि हमारे लोग हमारी पारंपरिक संस्कृति को भी बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा महिलाएं, राज्य के विकास में अपनी अहम भूमिका निभा रहीं है। महिलाएं अपने साथ अन्य लोगो को भी रोज़गार दे रहीं है। उन्होंने कहा युवाओं को कौशल विकास से जोड़ा जा रहा है। रुद्रप्रयाग में साइंस सिटी का निर्माण कार्य भी किया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक आशा नौटियाल, विधायक भरत चौधरी, केदारनाथ मंदिर समिति अध्यक्ष अजेन्द्र अजेय, चंडी प्रसाद भट्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

सीएम धामी ने श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ स्थित कोठा भवन जीर्णोद्धार कार्यो का निरीक्षण किया

रूद्रप्रयाग। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर से शीतकालीन यात्रा की औपचारिक शुरुआत किए जाने को श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति द्धबीकेटीसीऋ अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने ऐतिहासिक अवसर बताया है। शीतकालीन यात्रा का शंखनाद किए जाने पर बीकेटीसी अध्यक्ष ने प्रतीक स्वरूप मुख्यमंत्री धामी को शंख भेंट किया।

अजेंद्र ने कहा कि शीतकालीन यात्रा को लेकर पूर्व में चर्चाएं भी हुई हैं और प्रयास भी किए गए। मगर पहली बार सीएम धामी ने शीतकालीन यात्रा के लिए गंभीर प्रयास किए हैं। शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री ने स्वयं बाबा केदार की शीतकालीन गद्दीस्थल पहुंच कर एक सार्थक पहल की है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी की इस पहल से शीतकालीन यात्रा को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी द्वारा शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा देने के लिए तीर्थस्थलों के विकास का संकल्प व्यक्त किया जाना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री धामी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "विरासत से विकास" की संकल्पना को प्रदेश में साकार कर रहे हैं।

अजेंद्र ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में बीकेटीसी अपने अधीनस्थ मंदिरों में आधारभूत ढाँचे के विकास और यात्री सुविधाओं के विकास में जुटी हुई है। इससे शीतकाल में यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम व सरल होगी।

उधर, ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में मुख्यमंत्री धामी द्वारा पूजा-अर्चना कर शीतकालीन यात्रा की

तीर्थ पुरोहितों ने की मुख्यमंत्री से भेंट पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सचिवालय में उत्तराखण्ड चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के सदस्यों और पंडा पुजारियों ने भेंट की। उन्होंने बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के शीतकालीन प्रवास स्थलों में शीतकालीन दर्शन यात्रा के लिये मुख्यमंत्री द्वारा की गई अभिनव पहल के लिये मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की इस शीतकालीन यात्रा के सफल संचालन में चार धाम तीर्थ पुरोहित महा पंचायत के साथ अन्य सभी सम्बन्धित संस्थानो एवं संगठनो आदि को भी सहयोगी बनना होगा। उन्होने कहा कि शीतकालीन यात्रा का सफलता पूर्वक संचालन हो, इसके लिये सभी सम्बधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये है। शीतकालीन यात्रा से राज्य की आर्थिकी को भी बढावा देने में मदद मिलेगी तथा स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होगें। पंच बद्री व पंच केदार के साथ ही चारों धामों के शीतकालीन यात्रा प्रवास के आसपास के प्रमुख तीर्थ एवं पर्यटक स्थलों को विकसित करने के भी निर्देश अधिकारियों को दिये गये है। चारधाम यात्रा मार्गो के आबादी वाले क्षेत्रों में सुगम यातायात एवं

पार्किंग की भी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के निर्देश सभी सम्बधित विभागीय अधिकारियों को दिये गये है।

महा पंचायत के सदस्यों और पंडा पुजारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि उत्तराखण्ड के चार धामों, यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ एवं बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद होने के बाद इन धामों की शीतकालीन पूजा, मां यमुना की खरसाली द्धखुशी मठऋ मां गंगा की मुखवा (मुखीमठ), केदारनाथ की पूजा ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ एवं उद्धव व कुबेर की पूजा पांडुकेश्वर तथा शंकराचार्य के गद्दी स्थल ज्योतिर्मठ के नृसिंह मंदिर में की जाती है। चारों धामों के तीर्थ पुरोहित एवं पुजारी समाज द्वारा मुख्यमंत्री से चारों धामों के शीतकालीन पूजा स्थलों का व्यापक प्रचार प्रसार के साथ ही इन पूजा स्थलों में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर चारधाम महा पंचायत के अध्यक्ष एवं गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव सुरेश सेमवाल, महापंचायत के महासचिव बृजेश सती, मीडिया प्रभारी रजनीकांत सेमवाल, गंगा पुरोहित सभा अध्यक्ष संजीव सेमवाल, निखिलेश सेमवाल, अनिरूध उनियाल, जगमोहन उनियाल आदि अन्य उपस्थित थे।

उत्तराखण्ड शासन

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में

उत्तराखण्ड

विकास के नये अध्याय

की ओर अग्रसर

“माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है । हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं ।”

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

देवभूमि रजत उत्सव

9 नवंबर 2024-25 | उत्तराखण्ड

विकसित भारत, सशक्त उत्तराखण्ड

“21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं । पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास । आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है । ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।”

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

निरन्तर प्रगति पथ पर देवभूमि उत्तराखण्ड

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट - 2023 के दौरान राज्य सरकार के साथ कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये के हुए निवेश समझौते। जिसमें 81 हजार करोड़ के समझौते की ग्राउण्डिंग।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्री केदारनाथ धाम का हुआ भव्य एवं दिव्य पुनर्निर्माण कार्य। बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश और जागेश्वर धाम के दर्शन के बाद मानसखंड यात्रा को मिली नई पहचान।
- चार धामों की कनेक्टिविटी के लिए ऑल वेदर रोड का हुआ निर्माण। ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेललाइन का निर्माण कार्य तथा टनकपुर-बागेश्वर रेललाइन सर्वे का कार्य गतिमान।
- नैनीताल जिले की बहुद्देशीय जमरानी बांध परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत मिली मंजूरी।
- उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम की लखवाड़ परियोजना को मिली मंजूरी।
- उत्तराखण्ड को दो वंदे भारत ट्रेन की मिली सौगात। देहरादून से दिल्ली एवं देहरादून से लखनऊ का सफ़र हुआ आसान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य तेजी से जारी, 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- पर्वतीय क्षेत्रों में रोपवे नेटवर्क निर्माण के लिये पर्वत माला परियोजना को मिली मंजूरी। केदारनाथ, हेमकुंड साहिब एवं पूर्णागिरी मंदिर तक रोपवे के निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास।
- उधमसिंहनगर के किच्छा क्षेत्र में एम्स के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य गतिमान। वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत उत्तराखण्ड के सीमांत गावों का हो रहा चहुँमुखी विकास।
- जौलीग्रांट एयरपोर्ट एवं पंतनगर एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने हेतु कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री ने दिया वेड - इन - उत्तराखण्ड का मंत्र। जिसके तहत राज्य सरकार नए वेडिंग डेस्टीनेशन का कर रही निर्माण।

नीति आयोग भारत सरकार की ओर से एसडीजी 2023-24 की रिपोर्ट जारी की गई है।

रिपोर्ट में उत्तराखण्ड ने सतत विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा उतरते हुए पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।

www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

सम्पादकीय

संसद का शीतकालीन सत्र, हंगामा नहीं, बहस हो

संसद का शीतकालीन सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सहमति के बावजूद दोनों सदन बार-बार स्थगित किए गए। अदाणी मामले पर कांग्रेस के विरोध और सत्ता पक्ष के पलटवार से गतिरोध बना रहा। वाजपेयी सरकार के दौरान विपक्ष से सहयोग लेने जैसे उदाहरण आज कल्पना से परे हैं।

संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र के 12वें दिन मंगलवार को भी दोनों सदन हंगामों के बीच पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिए गए। सोमवार को भी ऐसा ही हुआ था। पिछले सप्ताह भी संसद में कमोबेश ऐसा ही दृश्य रहा।

संसद चलाने पर सहमति रू यह स्थिति तब है, जब पिछले सप्ताह सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों में सहमति बनी थी कि सदन में कामकाज को बाधित नहीं होने दिया जाए। यह महसूस किया गया कि सदन ठप होने से कई जरूरी मसलों पर चर्चा नहीं हो पाती।

देखा जाए तो यह पश्चजिटिव डिवेलपमेंट था, जिसके बाद उम्मीद बंधी कि संसद का यह सत्र शायद स्वस्थ बहस का गवाह बने। खास बात यह रही कि इस दबाव के मद्देनजर कांग्रेस नेतृत्व की रणनीति में भी बदलाव दिखा। अदाणी ग्रुप से जुड़े आरोपों पर जोर देने के लिए सदन में हंगामा करने के बजाय कांग्रेस के लोग सदन के अंदर और बाहर अन्य उपायों से इस मसले की ओर ध्यान खींचने लगे। काले रंग के पोस्टरयुक्त जैकेट पहनने से लेकर मुखौटे लगाने तक अलग-अलग तरीके आजमाए गए।

अफसोस की बात यह है कि इन सबसे संसद के अंदर माहौल में कोई खास बदलाव नहीं आया। विपक्ष के आरोप तो अपनी जगह बने ही रहे, सत्ता पक्ष इसके जवाब में कांग्रेस नेतृत्व की कथित भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस के संगठन से मिलीभगत के आरोपों को उसी आक्रामकता से उठाता दिखा। नतीजा यह कि संसद में कामकाज सामान्य रूप से चलने की जो संभावना बन रही थी, वह धूमिल हो गई।

लेकिन एक वक्त ऐसा भी था, जब हालात अलग थे। 2003 में जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने एक कूटनीतिक मामले में विपक्ष की मदद ली थी। वाजपेयी ने वामपंथी नेताओं को चाय पर बुलाया और उन्हें इराक में भारतीय फौज भेजने का विरोध के लिए मनाया। अमेरिका इसके लिए सरकार पर दबाव डाल रहा था। वाजपेयी इराक में भारतीय फौज नहीं भेजना चाहते थे, लेकिन साथ ही यह संदेश भी देना चाहते थे कि चूंकि देश में इस कदम का भारी विरोध हो रहा है, इसलिए वह मांग नहीं मान सकते।

आज सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ऐसे संबंध की कल्पना नहीं की जा सकती। असल में, लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद के अंदर कामकाज सुचारू ढंग से चलता रहे, यह सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी होती है, लेकिन सत्ता पक्ष पर इसका ज्यादा दायित्व होता है। ऐसे में बयानों और आरोपों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष का एक सा रवैया कोई अच्छी बात नहीं है।

राज्य की आर्थिकी बढ़ाने के लिए नवाचार पर विशेष ध्यान दिया जाए-मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में सशक्त उत्तराखण्ड @ 2025 की समीक्षा करते हुए कहा कि पूर्व में उत्तराखण्ड के रजत उत्सव वर्ष तक सभी विभागों को दो-दो गेम चेंजर योजनाओं पर कार्य करने के निर्देश दिये गये थे। सभी विभागों को उन्होंने इस संबंध में हुई कार्य प्रगति का स्पष्ट विवरण आगामी बैठक में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2027 तक राज्य की जीएसडीपी दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए सभी विभाग अल्पकालिक, मध्यकालिक तथा दीर्घकालिक योजना के अनुसार तेजी से कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जो भी कार्य किये जाएं उनका परिणाम धारातल पर पूर्ण रूप से दिखाई दे। कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। कार्यों में तेजी लाने के लिए सचिव और विभागाध्यक्षों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदर्श उत्तराखण्ड की दिशा में तेजी से कार्य किया जाना अधिकारियों का दायित्व है। राज्य की आर्थिकी बढ़ाने के लिए नवाचार पर विशेष ध्यान दिया जाए। कृषि, बागवानी, ऊर्जा, पर्यटन, आयुष जैसे क्षेत्रों में राज्य में अनेक संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में रोजगार की भी अपार संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन्वेस्टर समिट के दौरान आये निवेश प्रस्तावों की तेजी से ग्राउंडिंग हो, इसके लिए और प्रभावी प्रयास किये जाएं।

बैठक में उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद विश्वास डाबर, सेतु के उपाध्यक्ष राजशेखर जोशी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगोली, दिलीप जावलकर, डॉ. बी.वी.आर.सी पुरूषोत्तम, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, डॉ. रंजीत सिन्हा, विनय शंकर पाण्डेय, एस.एन पाण्डेय एवं सबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

इजरायल से आई आफरा बोलीं-मंडुवा, झंगोरा वैरी टेस्टी

देहरादून। इजरायल की आफरा के सर पर उत्तराखंडी टोपी चमक रही है। थाली पर पहाड़ी भोज्य पदार्थ हैं। मंडुवे की रोटी, उसके साथ घर का बना मक्खन, झंगोरे की खीर और गहत की दाल। आफरा हर एक पहाड़ी भोज्य पदार्थ का स्वाद ले रही हैं। पहली प्रतिक्रिया पूछी गई, तो बोलीं-मंडुवा, झंगोरा वैरी टेस्टी।

युद्ध के दौर से गुजर रहे देश इजरायल से खास वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस के लिए आफरा भारत आई हैं। खाने की टेबल पर अपने सहयोगी भगवान स्वरूप वर्मा के साथ बैठी आफरा पूरे आयोजन से संतुष्ट हैं। खाने की खास तारीफ करती हैं। वो भी पहाड़ी भोजन की। कहती हैं-मिलेट्स के फायदे पूरी दुनिया समझ रही है। टूटी-फूटी हिंदी में कहती हैं-पहाड़ी खाने में टेस्ट भी है और ये पौष्टिक भी हैं।

आफरा के साथ इजरायल से आए भगवान स्वरूप वर्मा 35 वर्ष से वहां रहकर आयुर्वेद के प्रचार के लिए काम कर रहे हैं। मूल रूप से आगरा के हैं। कहते हैं-पहाड़ी खाना पहले भी खाया है, लेकिन बार-बार खाने का मन करता है। कानपुर से आए वैद्य पंकज कुमार सिंह ने पहली बार देहरादून में पहाड़ी भोज्य पदार्थ खाया, लेकिन वह इसके मुरीद हो गए हैं। बकौल, पंकज कुमार सिंह-सुना काफी था इस खाने के बारे में, आज खाया, तो अच्छा लगा।

उड़ीसा से आए प्रो. ब्रहानंदा महापात्रा रिटायर्ड प्राचार्य हैं। उन्होंने पहले भी यह खाना खाया है। उन्हें हमेशा से पहाड़ी खाना पसंद रहा है। इसकी वजह वह ये ही मानते हैं कि ये बहुत पौष्टिक होता है। वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस में भाग लेने के लिए लखनऊ से आए डॉ. जयप्रकाश पांडेय रिटायर्ड आयुर्वेदिक अधिकारी हैं। उनका उत्तराखंड से पुराना नाता रहा है। यूपी के जमाने में वह टिहरी में तैनात रहे हैं। अपने अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा-वह अपनी सेवाकाल के दौरान चंबा का राजमा अपने घर लखनऊ ले जाया करते थे, जिसे सभी बहुत पसंद किया करते थे।

पहाड़ी भोज्य पदार्थों के प्रमोशन पर सरकार का जोर है। वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस की रूप रेखा तैयार करते वक्त ये विचार सामने आया कि डेलीगेट्स को पहाड़ी भोजन परोसा जाए। इससे पहाड़ी भोजन का व्यापक प्रचार प्रसार होगा।

इस पर अंतिम मुहर लगी, तो फिर चार दिनी इस आयोजन के लिए मैन्यू तैयार हो गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि चाहे वह पहाड़ी भोज्य पदार्थ हों या फिर उत्तराखंड के अन्य उत्पाद, सभी की ब्रांडिंग के लिए कार्य किया जा रहा है।

निकाय चुनाव जनवरी में, आरक्षण नियमावली जारी

देहरादून। शासन ने नगर निकाय सामान्य निर्वाचन 2024 कब तहत नगर पालिका एवं नगर निगम आरक्षण नियमावली 2024 जारी कर दी है। राज्य के 102 नगर निकायों में ओबीसी आरक्षण नियमावली जारी होने के बाद जनवरी में चुनाव सम्पन्न होने की उम्मीद जग गई है।

शासन ने निकायों में ओबीसी आरक्षण को लेकर नियमावली जारी की है। सम्बंधित जिलों के डीएम आरक्षण की अधिसूचना पर सुझाव व आपत्ति मांगेंगे। इस कवायद के पूरी होने के बाद जनवरी में निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में स्थानीय निकाय का कार्यकाल दिसंबर 2023 में समाप्त हो गया था। स्थानीय निकायों में प्रशासनिक अधिकारियों को प्रशासक बनाया गया है।

उत्तराखण्ड सरकार

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

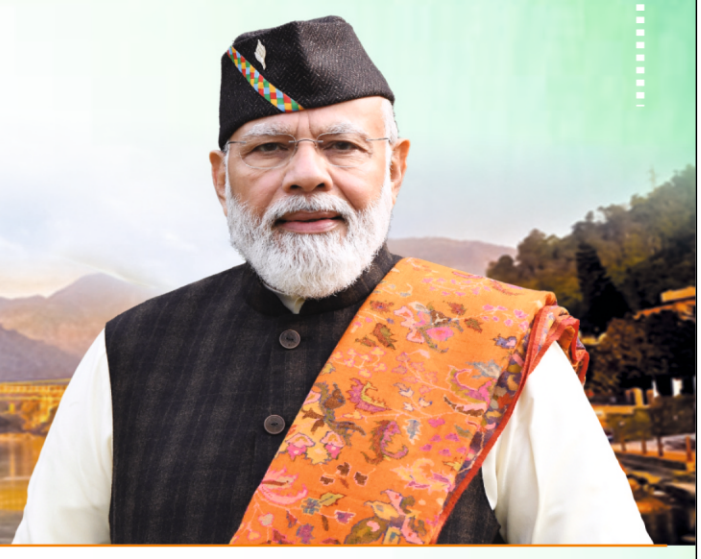

संकल्प से सिद्धि, प्रगति संग समृद्धि 25

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है । हम प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं ।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

देवभूमि रजत उत्सव
9 नवंबर 2024-25 | उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं । पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास । आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है । ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

विकसित भारत, विकसित उत्तराखण्ड

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट - 2023 के दौरान राज्य सरकार के साथ कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये के हुए निवेश समझौते। जिसमें 81 हजार करोड़ के समझौते की ग्राउण्डिंग।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्री केदारनाथ धाम का हुआ भव्य एवं दिव्य पुनर्निर्माण कार्य। बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश और जागेश्वर धाम के दर्शन के बाद मानसखंड यात्रा को मिली नई पहचान।
- चार धामों की कनेक्टिविटी के लिए ऑल वेदर रोड का हुआ निर्माण। ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेललाइन का निर्माण कार्य तथा टनकपुर-बागेश्वर रेललाइन सर्वे का कार्य गतिमान।
- नैनीताल जिले की बहुद्देशीय जमरानी बांध परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत मिली मंजूरी।
- उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम की लखवाड़ परियोजना को मिली मंजूरी।
- उत्तराखण्ड को दो वंदे भारत ट्रेन की मिली सौगात। देहरादून से दिल्ली एवं देहरादून से लखनऊ का सफ़र हुआ आसान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य तेजी से जारी, 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- पर्वतीय क्षेत्रों में रोपवे नेटवर्क निर्माण के लिये पर्वत माला परियोजना को मिली मंजूरी। केदारनाथ, हेमकुंड साहिब एवं पूर्णागिरी मंदिर तक रोपवे के निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास।
- उधमसिंहनगर के किच्छा क्षेत्र में एम्स के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य गतिमान। वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत उत्तराखण्ड के सीमांत गावों का हो रहा चहुँमुखी विकास।
- जौलीग्रांट एयरपोर्ट एवं पंतनगर एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रुप में विकसित करने हेतु कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री ने दिया वेड - इन - उत्तराखण्ड का मंत्र। जिसके तहत राज्य सरकार नए वेडिंग डेस्टीनेशन का कर रही निर्माण।

नीति आयोग भारत सरकार की ओर से एसडीजी 2023-24 की रिपोर्ट में उत्तराखण्ड ने सतत विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा उतरते हुए पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है।

निवेशकों की पहली पसंद बनता उत्तराखण्ड

- अच्छा व्यावसायिक वातावरण
- अच्छी कानून व्यवस्था
- निवेश अनुकूल नीतियां
- बेहतर कनेक्टिविटी

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।

www.uttarainformation.gov.in | uttarakhandDIPR | DIPR_UK | uttarakhand DIPR

रोगियों की सेवार्थ एम्स को दान की 25 व्हील चेयर

ऋषिकेश। अस्वस्थता की वजह से चलने-फिरने में असमर्थ रोगियों की सुविधार्थ को हरिद्वार के समाज सेवी ने एम्स अस्पताल को 25 व्हील चेयर दान की। अतिरिक्त व्हील चेयर उपलब्ध हो जाने से अब दिव्यांग और असहाय रोगियों को अस्पताल के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचने में आसानी हो सकेगी।

कुछ समय पूर्व हरिद्वार के समाज सेवी और त्यागी एसोसिएट्स के प्रबन्धक सतीश त्यागी ने दीन-दुखियों की सेवा हेतु व्हील चेयर दान करने की इच्छा जताई थी। एम्स अस्पताल प्रशासन द्वारा इस पर सहमति जताने के बाद बुधवार को इस संबन्ध में एक संक्षिप्त कार्यक्रम के माध्यम से उनके द्वारा संस्थान को 25 व्हील चेयर सौंप दी गई।

इस अवसर पर संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) मीनू सिंह ने समाज सेवी सतीश त्यागी द्वारा किए गए इस नेक कार्य के लिए उनका आभार जताया और कहा कि यह व्हील चेयर विशेष तौर से उन लोगों के लिए लाभकारी होगी जो किसी दुर्घटना अथवा स्वास्थ्य संबन्धी अन्य गंभीर पस्थितियों के कारण चलने फिरने में असमर्थ रहते हैं।

उन्होंने कहा कि अस्पताल में बड़ी संख्या में व्हील चेयर पहले से ही उपलब्ध हैं लेकिन दान के माध्यम से अतिरिक्त व्हील चेयर प्राप्त हो जाने से अब रोगियों को इसकी कमी महसूस नहीं होगी और उन्हें और सहूलियत हो जाएगी।

इस अवसर पर समाजसेवी सतीश त्यागी ने रोगियों की सेवा के लिए अपनी ओर से समय-समय पर आवश्यक मदद करने की इच्छा जताई। इस दौरान डीन एकेडमिक प्रो. जया चतुर्वेदी, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. सत्या श्री, आयुष विभाग के चिकित्सा अधिकारी संदीप कुमार सिंह, पीपीएस विनीत कुमार सिंह, विकास तिवारी, अभिषेक त्यागी, मोहन त्यागी आदि कई मौजूद रहे।

शीतकालीन यात्रा-श्रद्धालुओं को न हो कोई परेशानी-सुमन

देहरादून। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने शीतलहर को लेकर सभी जिलाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने शीत लहर को लेकर प्रदेशभर में आम जनमानस को राहत पहुंचाने के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मा. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सभी जिलों को शीतलहर से निपटने के लिए धनराशि मुहैया कराई गई है। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया है कि यदि किसी जनपद को और आवश्यकता है तो उन्हें धनराशि तुरंत दी जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी जनपद को धनराशि की और आवश्यकता है तो वह डिमांड शासन को भेज सकते हैं।

सचिवालय में वर्चुअल माध्यम से आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि शीतकालीन यात्रा प्रारंभ हो चुकी है। यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं को ठंड के मौसम में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इस पर खास ध्यान दिया जाए। मौसम तथा सड़कों की स्थिति को देखते हुए यात्रियों को आगे रवाना किया जाए। यदि बर्फबारी के कारण मार्ग बाधित होते हैं तो यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर रात के समय आवाजाही रहती है, उन स्थानों पर अनिवार्य रूप से अलाव जलाया जाए। इसकी सूचना उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रारूप में राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र में प्रत्येक दिन भेजना सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी अपने स्तर पर सुनिश्चित कर लें कि रैन बसेरों में सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई एनजीओ मदद को आगे आना चाहते हैं तो उनका भी सहयोग लेने की पहल जिलाधिकारी अपने स्तर पर करें। इसके अलावा आम जनमानस को भी गर्म कपड़े और कंबल आदि दान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए ऐसे लोगों को एक प्लेटफार्म प्रदान किया जाए।

उन्होंने कहा कि बेसहारा पशुओं को लेकर भी मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पशुपालन विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर उन्हें ठंड से बचाने की कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि आम जनमानस को शीत लहर से बचाव के लिए क्या-क्या करना चाहिए, इस संबंध में पब्लिक अनाउंसमेंट के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाए। साथ ही प्रचार-प्रसार के अन्य माध्यमों का प्रयोग कर समाज में जागरूकता फैलाई जाए।

उत्तरकाशी में शीतकालीन चारधाम यात्रा को लेकर उत्साह समन्वित प्रयासों से पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

उत्तरकाशी। जिले में शीतकालीन चारधाम यात्रा को लेकर उत्साह का माहौल है। यमुनोत्री और गंगोत्री मंदिर समितियों, तीर्थ पुरोहितों, होटल एसोसिएशन, टूर व ट्रेवल व्यवसायियों और यात्रा प्रबंधन से जुड़े संगठनों ने राज्य सरकार की पहल का स्वागत करते हुए शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा देने के लिए समन्वित प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

जिला मुख्यालय पर आयोजित एक बैठक में यह निर्णय लिया गया कि शीतकालीन गद्दी स्थल खरसाली और मुखवा में विशेष धार्मिक आयोजन और मां गंगा-यमुना की आरती का लाइव प्रसारण किया जाएगा। इसके अलावा, देश के प्रमुख शहरों में टूर ऑपरेटरों का सम्मेलन आयोजित कर शीतकालीन यात्रा को प्रोत्साहित किया जाएगा।

कलक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने कहा कि राज्य सरकार की यह पहल यात्रा व्यवसाय से जुड़े लोगों को सालभर रोजगार देने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने सभी हितधारकों से शीतकालीन यात्रा के सफल संचालन के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया।

जिलाधिकारी ने बताया कि गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास स्थल मुखवा और यमुनोत्री के शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली में यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगमता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। उन्होंने सड़कों को सुचारू रखने, पेयजल और बिजली की आपूर्ति को व्यवस्थित बनाए रखने, और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष धर्मानंद सेमवाल और यमुनोत्री मंदिर समिति के सचिव सुनील प्रसाद उनियाल ने राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शीतकालीन गद्दी स्थलों के दर्शन और पूजा-अर्चना की विशेष महत्ता है। उन्होंने यात्रा मार्गों पर आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की जरूरत पर बल दिया और आगामी महीनों में धार्मिक आयोजनों की रूपरेखा बनाने का सुझाव दिया।

चारधाम होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय पुरी और उत्तरकाशी होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेन्द्र मटूड़ा ने कहा कि शीतकालीन यात्रा के जरिए पर्यटकों को बर्फीले पहाड़ों और हिमालय की अद्भुत प्राकृतिक छटा का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। उन्होंने आक्रामक ब्रांडिंग और मार्केटिंग की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि होटल एसोसिएशन टूर ऑपरेटरों के सम्मेलन की योजना बनाएगी और प्रशासन का सहयोग प्राप्त करेगी।

जिला व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुभाष बडोनी, ट्रैकिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जयेंद्र सिंह राणा, और टीजीएमओ के स्थानीय अध्यक्ष गजपाल रावत ने इस पहल को रोजगार सृजन और स्थानीय विकास के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।

बैठक में सभी हितधारकों ने एकजुट होकर शीतकालीन यात्रा को सफल बनाने का संकल्प लिया। यह पहल न केवल राज्य की आर्थिकी को बल देगी बल्कि उत्तरकाशी के पर्यटन को एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी।

तराई के दलदले और साफ पानी वाले स्थानों पर मेहमान पक्षियों का लगा जमावड़ा, सुरक्षा के लिए पेट्रोलिंग शुरू

देहरादून। तराई के दलदले और साफ पानी वाले स्थानों पर मेहमान पक्षियों का जमावड़ा लग गया है। इससे पर्यावरण प्रेमी, बर्ड वाचर और वन कर्मियों में खुशी देखी जा रही है। वहीं वन विभाग ने इन पक्षियों की सुरक्षा के लिए कमर कस ली है। बड़े सरोवरों में नाव से गश्त की जा रही है, ताकि उनका शिकार न हो सके।

प्रत्येक वर्ष शीतकाल में यूरोप, ईरान, अफगानिस्तान, रूस, साइबेरिया से करीब छह से 10 हजार किलोमीटर की यात्रा तय कर प्रवासी पक्षी गूलरभोज, शारदा, बैगुल, नानकमत्ता, धुरा, रामनगर सहित कई अन्य स्थानों पर पहुंचते हैं। नवंबर से हुई इसकी शुरुआत अब अपने उत्कर्ष पर है। पश्चिमी वृत्त के सीनियर वाइल्ड लाइफ बॉयोलॉजिस्ट और शोधकर्ता प्रशांत कुमार ने बताया कि ये पक्षी यहां साफ और दलदली भूमि पर चार महीने तक रहते हैं। उगी घास, कीड़े-मकौड़े खाकर अपना पेट पालते हैं और आसपास ही घौंसले बनाकर ये अंडे देते हैं और बच्चों को बढ़ा कर अपने मूल स्थानों को लौट जाते हैं। इन पक्षियों ने यहां पहुंचने के बाद ब्रिडिंग शुरू कर दी है।

नाकममत्ता, शारदा, बहगुल, धुरा सरोवर में आए इन प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा को देखते हुए वन विभाग की टीमें बोट के माध्यम से सरोवरों में गश्त कर रही हैं। ऐसा शिकारियों पर निगाह रखने के लिए है। शारदा रेंज में कुछ दिन पूर्व चिड़िया का शिकार करने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया गया था।

मालार्ड, नार्दर्न पिनटेल, यूरेशियन टील, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, कश्मन पोचार्ड, फेरूजिनस डक, टफ्टेड डक, लिटिल ग्रेब, ग्रेट क्रेस्टेड ग्रेब, कॉमन मोरेन, यूरेशियन कूट, फेरूजिनस पोचार्ड विदेशों से पहुंचे हैं।

डैम और नदियों के किनारे प्रवासी पक्षियों का जमावड़ा लगने लगा है। उनकी सुरक्षा के लिए लगातार गश्त की जा रही है। पक्षियों को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उत्तराखण्ड शासन

"माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विजन के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

देवभूमि रजत उत्सव
9 नवंबर 2024-25 | उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

विकसित भारत - सशक्त उत्तराखण्ड

- नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) रैंकिंग में उत्तराखण्ड देश में प्रथम स्थान पर
- नकल विरोधी कानून का असर, तीन साल में रिकार्ड 17,500 से अधिक सरकारी रोजगार, आगे की भर्ती प्रक्रिया गतिमान
- राज्य आन्दोलनकारियों के लिए सरकारी सेवा में 10% क्षैतिज आरक्षण
- पिछले 20 माह मे जी एस डी पी में 1.3 गुना वृद्धि, प्रति व्यक्ति आय में पिछले 2 वर्षों मे 26 प्रतिशत बढ़ोतरी
- हाऊस ऑफ हिमालयाज़ उत्तराखण्ड के महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने की मजबूत पहल
- नई फिल्म नीति के तहत उत्तराखण्ड की कुमाऊँनी, गढ़वाली, जौनसारी आदि क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों को कुल लागत का 50% अथवा 2 करोड़ तक सब्सिडी
- राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% क्षैतिज आरक्षण
- सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) नीति के माध्यम से ओद्यौगिक निवेश को प्रोत्साहन
- स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये रु. 200 करोड़ के वेंचर फण्ड की स्थापना
- भ्रष्टाचार की शिकायत हेतु 1064 एप तथा 1905 सी.एम. हेल्पलाइन
- को-ऑपरेटिव बैंको तथा सहकारी समितियों में महिलाओं के लिये 33% आरक्षण
- दीन दयाल उपाध्याय होम-स्टे योजना, राज्य में 5000 से अधिक होम-स्टे पंजीकृत
- उत्तराखण्ड राज्य के शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुदान राशि को कई गुना बढ़ाते हुए 50 लाख तक किया गया तथा एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान

निवेशकों की पहली पसंद बनता उत्तराखण्ड

- अच्छा व्यावसायिक वातावरण
- निवेश अनुकूल नीतियां
- अच्छी कानून व्यवस्था
- बेहतर कनेक्टिविटी

#ExploreUttarakhand
@DIPR_UK

- प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन का सफल आयोजन
- समान नागरिक संहिता जल्द होगी लागू
- उधमसिंहनगर के खुरपिया फार्म में केंद्र सरकार द्वारा स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाऊनशिप की स्वीकृति
- हल्द्वानी में होगी खेल विश्वविद्यालय की स्थापना
- प्रदेश में 4 हजार से अधिक क्लस्टरों में जैविक कृषि
- राजकीय और सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें
- बहुप्रतीक्षित बहुउद्देशीय जमरानी, सोंग और लखवाड़ बांध परियोजनाओं पर कार्य गतिमान
- मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना, ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते रोजगार के अवसर, सोलर प्लांट स्थापित करने पर MSME के अंतर्गत 50% तक सब्सिडी
- रेल, रोड़, रोपवे और एयर कनेक्टिविटी का विस्तार
- उत्तराखण्ड में जबरन धर्मान्तरण पर रोक लगाने के लिए एक सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून लागू किया गया
- दंगा विरोधी कानूनः अब दंगाइयों पर कड़ी कारवाई करने के साथ ही दंगे में होने वाली सार्वजनिक सम्पत्ति के नुकसान की भरपाई भी दंगाइयों से ही की जाएगी
- महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु लखपति दीदी योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख तक का ऋण बिना ब्याज के
- मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल किए जा रहे हैं
- उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में विभिन्न देशों के उद्योगपतियों द्वारा 3.56 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित, लगभग 85 हजार करोड़ की परियोजनाओं की ग्राउंडिंग गतिमान

#ExploreUttarakhand
@DIPR_UK

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

उत्तराखण्ड शासन

संकल्प
नये उत्तराखण्ड का

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्री केदारनाथ धाम का हुआ भव्य एवं दिव्य पुनर्निर्माण कार्य। बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश और जागेश्वर धाम के दर्शन के बाद मानसखंड यात्रा को मिली नई पहचान।
- चार धामों की कनेक्टिविटी के लिए ऑल वेदर रोड का हुआ निर्माण। ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेललाइन का निर्माण कार्य तथा टनकपुर-बागेश्वर रेललाइन सर्वे का कार्य गतिमान।

नीति आयोग द्वारा जारी
सतत विकास खण्ड (एसडीजी)
इण्डेक्स 2023-24 में

उत्तराखण्ड देश में प्रथम

गरीबी उन्मूलन, अच्छा स्वास्थ्य एवं जीवन, गुणवत्ता परक शिक्षा, स्वच्छ जल, क्लीन एनर्जी जैसे सतत विकास लक्ष्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन।

विकसित भारत, सशक्त उत्तराखण्ड

विकसित भारत - सशक्त उत्तराखण्ड

- स्मार्ट औद्योगिक शहर के रूप में विकसित होगा उत्तराखण्ड का खुरपिया फार्म, 15 हजार करोड़ का निवेश, 50 हजार से अधिक रोजगार।
- प्लास्टिक कचरे के निस्तारण के लिए डिजिटल रिफंड सिस्टम।
- युवाओं के लिए समर्पित सरकार, 16 हजार से अधिक सरकारी रोजगार।
- उत्तराखण्ड की 4000 महिला अभ्यर्थियों के लिए टाटा समूह में नौकरी के अवसर सृजित।
- राज्य आंदोलनकारियों के लिए सरकारी सेवा में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू।
- राज्य के 2871 विद्यालयों में मिड-डे मील के लिए गैस चूल्हे-सिलेण्डर की व्यवस्था।
- उत्तराखण्ड के जैविक प्राकृतिक उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने की मजबूत पहल।
- उत्तराखण्ड की क्षेत्रीय भाषाओं को लागत का 50 प्रतिशत अथवा 2 करोड़ तक सब्सिडी।
- हिन्दी एवं संविधान की 8वीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं की फिल्मों को लागत का 30 प्रतिशत अथवा 3 करोड़ तक सब्सिडी।
- उत्तराखण्ड सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एम.एस.एम.ई) नीति के माध्यम से औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन।
- स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 200 करोड़ के वेंचर फण्ड की स्थापना।
- पारदर्शी-स्वच्छ शासन हेतु प्रतिबद्ध, 1905 सी.एम. हेल्पलाइन, 1066 एप भ्रष्टाचार की शिकायत हेतु।
- सैनिक पुनर्वास संस्था द्वारा राज्य के शहीद सैनिकों के आश्रितों को 10 लाख की सहायता का निर्णय।
- प्रत्येक विकासखण्ड में 5-5 आदर्श ग्रामों की स्थापना।
- दीन दयाल उपाध्याय होम-स्टे योजना के अन्तर्गत राज्य में 5000 से अधिक होम-स्टे पंजीकृत।
- उत्तराखण्ड पर्यटन नीति-2023 के द्वारा पर्यटन क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूती।
- उत्तराखण्ड को दो वंदे भारत ट्रेन की मिली सौगात। देहरादून से दिल्ली एवं देहरादून से लखनऊ का सफ़र हुआ आसान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य तेजी से जारी, 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- उत्तराखण्ड की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।

www.uttarainformation.gov.in | uttarakhandDIPR | DIPR_UK | uttarakhand DIPR

जरूरतमंदों को एंबुलेंस और आर्थिक सहायता पर जोर, मुख्यमंत्री धामी की उच्च स्तरीय बैठक

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि जरूरतमंदों को समय पर एंबुलेंस और एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित करते हुए अविलम्ब इसकी एसओपी तैयार की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि अस्वस्थता के कारण किसी मृतक व्यक्ति के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारजनों के द्वारा मृतक के दाह संस्कार में कठिनाई व्यक्त करने पर इसके लिए आर्थिक सहायता अथवा मृतक व्यक्ति के दाह संस्कार की व्यवस्था संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी अपने स्तर से सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही उन्होंने ऐसे परिवारों जिन्हें मृतक व्यक्ति के शव को उनके घर तक पहुंचाने के लिए आर्थिक समस्या हो रही हो, ऐसे व्यक्ति के शव को एबुलेंस के माध्यम से घर तक पहुंचाने की व्यवस्था भी जिलाधिकारी अपने स्तर से करेंगे।

मुख्यमंत्री ने शीतकालीन चारधाम यात्रा के तहत उनके शीतकालीन स्थलों के पौराणिक महत्व एवं प्रभावी प्रचार-प्रसार करने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने कहा कि इन स्थलों का प्राचीन काल से ही अपना विशिष्ट महत्व रहा है और श्रद्धालु इन स्थलों पर देव दर्शन करते रहे हैं। इन शीतकाल स्थलों के दर्शन से भी वही पुण्य प्राप्त होता है, जो नियमित यात्रा के दौरान होता है। शीतकाल में श्री केदारनाथ की ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में, बदरीनाथ की पाण्डुकेश्वर और नर्सिंग मंदिर ज्योर्तिमठ में, यमुनोत्री के खरसाली और गंगोत्री के मुखवा में पूजा अर्चना होती है।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमन और उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

10वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस को आयुर्वेद के क्षेत्र में राज्य को नई पहचान दिलाने वाला बताया प्रयास

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखण्ड को योग एवं आयुष की भूमि बताते हुए देहरादून में आयोजित होने वाली 10वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस को आयुर्वेद के क्षेत्र में राज्य को नई पहचान दिलाने वाला प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि इस माह 12 से 15 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले इस वैश्विक आयोजन में होने वाले चिंतन, मंथन एवं विचार विमर्श से निकलने वाला अमृत आयुर्वेद के क्षेत्र में भारत को ही नहीं विश्व को जगाने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौर में आयुर्वेद एवं आयुष का प्रभाव लोगों ने देखा है। मीडिया सेन्टर सचिवालय में 10वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के कर्टेन रेजर एवं प्रोग्राम गाइड का विमोचन करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह आयोजन सर्वे सन्तु निरामय: का संदेश भी घर-घर तक पहुंचाने में मददगार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड प्राचीन काल से आयुर्वेद व प्रज्ञा की भूमि रही है। हमारे ऋषि मुनियों एवं मनीषियों ने इस दिशा में व्यापक शोध कर हमें यह विधा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि हमने राज्य हित में अनेक निर्णय लिये है। राज्य के समग्र विकास में हमारे प्रयासों को नीति आयोग द्वारा भी सराहा गया है। इसी का परिणाम है कि विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में राज्य को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक संपदा, औषधीय पौधों और शांत हिमालयीय वातावरण के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इस वैश्विक आयुर्वेद कांग्रेस में 58 देशों से 300 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि प्रतिभाग कर रहे हैं। जबकि देश भर के 6500 प्रतिनिधियों और 2 लाख आगंतुकों के साथ यह आयोजन ज्ञान और सहयोग का अद्वितीय मंच बनेगा। उत्तराखण्ड का पवेलियन-प्रदेश के 8 विभागों आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, स्वास्थ्य, कौशल विकास, पर्यटन, उद्योग, उद्यान, ग्राम्य विकास के स्टॉल समेकित रूप से उत्तराखण्ड को आयुर्वेद और वेलनेस पर्यटन के प्रमुख केन्द्र के रूप में बढ़ावा देने में सहायक होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में आयुष नीति के माध्यम से आयुष निर्माण, वेलनेस, शिक्षा, कृषि सेक्टर को गति प्रदान की जा रही है। देश की प्रथम योग नीति निर्माण का कार्य भी प्रगति पर है। जबकि राज्य में 03 नये 50 शैय्या युक्त आयुष चिकित्सालयों का निर्माण कार्य टिहरी /कोटद्वार/टनकपुर में किया जा रहा है। राज्य में आयुष आधारित 300 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना पूर्ण की जा चुकी है। सभी आयुष अस्पतालों में टेलीमेडिसिन/पंचकर्म/ मर्म चिकित्सा इत्यादि सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। राज्य के 150 से अधिक आयुष चिकित्सालय प्राप्त कर चुके है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव राधा रतूडी, सचिव रविनाथ रमन ने भी अपने विचार रखे। 10वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस के ट्रस्टी श्री रजनीश पौराणिक द्वारा कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन निदेशक आयुष विजय जोगदंडे ने किया।

वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस के प्लेनेटरी सेशन में विषय विशेषज्ञों ने साझा किए बहुमूल्य अनुभव

देहरादून। परेड ग्राउंड में 10 वें आयुर्वेद कांग्रेस और आरोग्य एक्सपो में दूसरे दिन देश-विदेश के आयुर्वेद विशेषज्ञों ने अलग-अलग थीम और टॉपिक पर अपने-अपने अनुभव साझा किये।

प्लेनेटरी सेशन में न्यू एज संहिता विषय पर पैनलिस्ट उपेंद्र दीक्षित (गोवा) अभिजीत सराफ (नासिक) और श्री प्रसाद बावडेकर (पुणे) ने अपने विचार रखे। आयुर्वेद के क्षेत्र में अधिक लोगों को कैसे जोड़ा जाए, इसमें अधिक शोध और अनुसंधान को कैसे बढ़ावा मिले तथा आयुष चिकित्सा को आम जनमानस के बीच कैसे लोकप्रिय बनाया जाए। बताया कि आयुर्वेद के क्षेत्र में जितने भी नए रिसर्च हो रहे हैं और नई रचनाएं लिखी जा रही हैं उसकी भाषा बहुत ही सरल हो और डिजिटल के अंतर्गत अधिक से अधिक स्थानीय भाषा में उसकी उपलब्धता हो ताकि देश-विदेश का हर एक नागरिक अपनी सुगम भाषा में उसकी आसानी से स्टडी कर सके।

आयुर्वेद आहार विषय पर केंद्रित व्याख्यान में पैनलिस्ट ने बताया कि शरीर

की प्रकृति (कफ, वात, पित) के अनुरूप आहार होना चाहिए। फूड इज मेडिसिन, बट मेडिसिन इज नॉट फूड के सिद्धांत का पालन करना चाहिए। इसमें सुझाव आया कि खाद्य पदार्थों के सर्टिफिकेशन में आयुर्वेद आहार के मानक को भी सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया में शामिल करें।

एविडेंस बेस्ड आयुर्वेद थीम पर आधारित व्याख्यान में पैनलिस्ट ने बताया कि आयुर्वेद के क्षेत्र में नित्य होने वाले नए शोध,अनुसंधान एवं व्यवहारिक ज्ञान को प्यूरिफाई करने के लिए एक मानक संस्था होनी चाहिए, जिससे जनमानस तक पहुंचने से पूर्व ज्ञान,जानकारी व तकनीक को कई चरणों में जांचा परखा जा सके।

आयुर्वेद की परंपरागत जानकारी रखने वाले वैद्य की गोष्ठी में देशभर से आए वैद्य ने उनके सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं और सुझावों को साझा किया। उन्होंने कहा कि जड़ी बूटी उत्पादन से लेकर उसकी फूड प्रोसेसिंग, मार्केटिंग और विक्रय तक लागत बहुत आती है जबकि उसके अनुरूप मुनाफा नहीं मिल पाता। उन्होंने सुझाव दिया कि परंपरागत वैध की जानकारी रखने वाले लोगों को प्रमाण पत्र देकर उनका प्रमाणीकरण किया जाए। साथ ही परंपरागत ज्ञान को हर एक नागरिक तक पहुंचाने के लिए गांव-गांव तक आयुर्वेद स्कूलों की स्थापना की जाए।

(राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग) कॉन्क्लेव में देश भर के लगभग 200 से अधिक आयुर्वेदिक चिकित्सकों ने प्रतिभा किया। इसमें आयुर्वेदिक चिकित्सकों के सेवा के अवसरों, दायित्व और अधिकारों पर विस्तृत चर्चा की गई। आयुष चिकित्सा लाभ के लिए आने वाले विदेशी पर्यटकों को कैसे बेहतर सुविधा दी जा सकती है।

चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में खनन से अबतक हुई 650 करोड़ की राजस्व प्राप्ति

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा राजस्व में बढ़ोतरी को लेकर किये जा रहे प्रयासों एवं इस संबध में लिये गये निर्णयों के फलस्वरूप चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 (माह अप्रैल से नवम्बर तक) में रू. 650 करोड राजस्व की प्राप्ति की गयी है तथा विगत वर्ष 2023-24 के प्रथम आठ माह में प्राप्त राजस्व से कुल रू. 324.81 करोड़ के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2024-25 में 325.19 करोड अधिक प्राप्त किया गया, जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग 100 प्रतिशत अधिक है।

वर्ष 2022-23 में राज्य सरकार के द्वारा भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय उत्तराखण्ड को कुल 875 करोड का राजस्व लक्ष्य रखा गया था, जिसके सापेक्ष भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय द्वारा 472.25 करोड राजस्व अर्जित किया गया व वर्ष 2023-24 में भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय उत्तराखण्ड देहरादून को राज्य सरकार द्वारा कुल 875.00 करोड रूपये का लक्ष्य रखा गया था।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर भूतत्व एवं खनिकर्म द्वारा बीते तीन सालों में पूर्ण पारदर्शिता से कार्य किया जा रहा है।

राजस्व प्राप्ति हेतु राज्य सरकार द्वारा उत्तराखण्ड उपखनिज परिहार नियमावली, उत्तराखण्ड स्टोन क्रेशर नीति, उत्तराखण्ड खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण का निवारण) नियमावली में सरलीकरण, ई-निविदा सह-ई नीलामी के माध्यम से नये खनिज लश्वटो का चिन्हिकरण कर उनको ई-निविदा के माध्यम से आवंटित किया जाना निदेशालय स्तर पर गठित प्रर्वतन दल के द्वारा अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण की प्रभावी रोकथाम हेतु निरन्तर प्रभावी ढंग से कार्यवाही किया जाना, मुख्यालय स्तर पर ई-रवन्ना पोर्टल की समय-समय पर निगरानी करते हुए ई-रवन्ना पोर्टल को उन्नत किया जाना, चार जनपदो यथा देहरादून, हरिद्वार, उधमसिंहनगर व नैनीताल ने निविदा के माध्यम से आवंटित कम्पनी के द्वारा पट्टाधनराशि / अपरिहार्य भाटक आदि की वसूली को दिया जाना है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सुबोध भट्ट द्वारा दून वाणी प्रिंटर्स डी0एल0 रोड, देहरादून से मुद्रित एवं मोहकमपुर कलां, माजरी मी, पो0ओ0 नवादा, देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित।
सम्पादक : सुबोध भट्ट मो0 9837383994, email : subodhbhatt09@gmail.com
Web site : harshitatimes.com, facebook page : harshitatimes.com, email : harshitatimes09@gmail.com,